# गुजरात कृषि मॉडल पर सोना उगलेगी जमीन

By **Jagran** Publish Date:Wed, 05 Apr 2017 11:29 PM (IST) | Updated Date:Wed, 05 Apr 2017 11:29 PM (IST)

Share Like 0 G+1 0

साजिद रजा खां, बरेली : बदहाली के दौर से गुजरने वाले उप्र के किसानों की खुशहाली का रोड मैप लगभग तैयार हो चुका है। उप्र के किसानों की आय दोगुनी करने को गुजरात कृषि मॉडल लागू किया जाएगा। यहां के किसान गुजरात के किसानों की तरह खेती करेंगे। वहां की कृषि योजनाएं उप्र में अमली जामा पहनेंगी। इसकी कवायद शुरू हो चुकीं है। यह बात पीएम के किसानों की आय दोगुनी करने के प्रोजेक्ट में हिस्सा लेने आए

**साजिद रजा खां, बरेली : बदहाली के दौर से गुजरने वाले उप्र के किसानों की खुशहाली का रोड मैप लगभग तैयार**

कृषि विशेषज्ञों ने दैनिक जागरण से कही।

बोले, गुजरात के किसान खुशहाल हैं। अच्छी योजनाएं हैं, किसानों का उनका फायदा मिलता है। उप्र में गुजरात कृषि मॉडल छह महीने में आने की उम्मीद है। प्रदेश के प्रगतिशील किसानों ने खाद्य एवं प्रसंस्करण योजना के तहत बनने वाले उत्पादों से टैक्स खत्म होने की राय दी। अनिल साहनी ने कहा, जैविक खेती कर चावल का उत्पादन किया। यह दूसरे प्रदेश भेजा लेकिन रेलवे स्टेशन पर पकड़ लिया। इसी तरह की दिक्कत अन्य किसानों के साथ भी है। किसानों के सुझाव को अपेक्स कमेटी ने प्रोजेक्ट में शामिल कर लिया है। गोमूत्र संचय करने पर जोर दिया गया। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण को गोबर गैस प्लांट लगाने की सलाह दी। बोले, गांव में उज्जवला योजना के तहत गैस कनेक्शन मिल रहे हैं। गोबर के कंडो से खाना बनाना बंद करें। गोबर का प्रयोग खेतों में होना चाहिए।

आइवीआरआइ के निदेशक ने गुजरात मॉडल पर कहा कि इसके आने से किसान और पशुपालकों के आर्थिक हालात में सुधार होना तय है।

पशु लाने वालों से बंद वसूली

किसानों ने बाहर से पशु लाने पर पुलिस वसूली की शिकायत की। बोले, पुलिस बदतमीजी के साथ ही रुपये वसूलती है। इस पर एसडीएम से प्रमाण पत्र लाने की सलाह दी गई। पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए गाय, बैल और बछड़ों का पालन करने का सुझाव दिया।

सुरक्षित फसल को बनाएं बाड़े

किसानों ने जंगली जानवरों से फसल बर्बाद न हो, इसलिए खेतों के चारों तरफ बाड़े बनाने को अनुदान दिलाने का सुझाव दिया। यह भी